प्रश्न पत्र – MJY-C201

अर्जिताधिभार 06 05

एम.ए. द्वितीय–सत्र

होराविधान

70+30=100 पूर्णांक

HORA VIDHANA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 राशि, ग्रहस्वरूपाध्याय
खण्ड–2 जन्मलग्न, होरालग्न, भावलग्न एवं गुलिकलग्न साधन
खण्ड–3 षोडशवर्ग विधान
खण्ड–4 मैत्री, ग्रहबल एवं दशासाधन (योगिनी एवं विंशोतरी)
खण्ड–5 अरिष्ट, अरिष्टभंग एवं आयुर्दाध्यायविवेचन

सन्दर्भग्रन्थ :

1. बृहत्पराशरहोराशास्त्र – सीताराम झा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी भारतीय ज्योतिष शास्त्र का इतिहास–नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. बृहज्जातक – पं0 केशवदत्त जोशी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. फलदीपिका हिन्दी टीकाकार – पं0 गोपेशकुमार ओझा, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी
4. भारतीय ज्योतिष – नेमिचन्द, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
5. फलितज्योतिष – स्व0 देवकीनन्दन सिंह – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
6. बृहत्पराशर होरा शास्त्र – गणेश दत्त पाठक